तीसरा अध्याय

हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली का विकास : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

३.१ हिन्दी में पारिभाषिक शब्द और अनिवार्यता

शास्त्रीय विषय, तकनीकी क्षेत्र तथा कार्यालयीन कामकाज में पारिभाषिक शब्दों का महत्व एवं अनिवार्यता हर काल में रही है । हर भाषा में पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता होती है । क्योंकि पारिभाषिक शब्द ज्ञान-विज्ञान के हर क्षेत्र में प्रयुक्त होते हैं । परिभाषित (defined) किये गये वे शब्द भाषा को सुदृढ़ बनाते हैं । पारिभाषिक शब्दावली, उसकी अनिवार्यता या आवश्यकता एवं उसके महत्व की चर्चा पिछले अध्यायों में की गयी है । ऐसा लगता है कि ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों का विकास ही पारिभाषिक शब्दावली से सार्थक हो जायेगा । आज हिन्दी भाषा राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा घोषित होने के पश्चात् उसका प्रयोग क्षेत्र या कार्यक्षेत्र बढ़ गया है । साथ ही साथ ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण होता आ रहा है । निर्माण कार्य से अब शब्दावली की सुलभता है । केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों में पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण कार्य साथ ही प्रयोग कार्य चल रहा है । केन्द्रीय सरकार के सभी क्षेत्रों में हिन्दी का प्रयोग होता जा रहा है । प्रान्तीय प्रदेशों में भी आज हिन्दी का प्रयोग चल रहा है। यहाँ भाषा की सुदृढ़ता व्यक्त है । भाषा नियमित, निश्चित, स्पष्ट, सरल होने के लिए पारिभाषिक शब्दावली की अनिवार्यता है । जिस भाषा में पारिभाषिक शब्दों का प्रभाव अधिक है उस भाषा उतनी ही संपन्न मानी जायेगी ।

हिन्दी के संदर्भ में विशेष रूप से आज, हिन्दी राजभाषा बनने के बाद पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता एवं अनिवार्यता और अधिक बढ़ गयी है । आज हिन्दी

को एक ओर जहाँ राजभाषा की संघीय संवैधानिक नीति का सफल अनुपालन करना है तो वही दूसरी ओर सांस्कृतिक साहित्यक चेतना को स्पन्दित करना है । और वही उसे ज्ञान-विज्ञान, विधि आदि विभिन्न अनुशासनों की विभिन्न ज्ञान शाखाओं की विशेष एवं सुनिश्चित स्पष्ट अभिव्यक्तियों के लिए पारिभाषिक शब्दावली से भी स्वयं को समृद्ध तथा संपन्न करना ज़रूरी हो गया है । नये-नये शोध कार्य तथा उपलब्धियों से लाभान्वित होने के लिए उस ज्ञान की विशिष्ट शब्दावली का ज्ञान आवश्यक है ।

हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली का विश्लेषण करते समय डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी के शब्द याद आते हैं – "किसी भी भाषा में समुचित पारिभाषिक शब्दावली की विद्यमानता उस भाषा-भाषी वर्ग के बौद्धिक उत्कर्ष एवं संपन्नता की परिचायक होती है और उसका अभाव बौद्धिक दरिद्रता का ।"

३.२ पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा : कुछ तथ्य

पिछले अध्याय में विभिन्न विद्वानों के पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा की चर्चा की गयी है । इससे स्पष्ट है कि जो शब्द सामान्य व्यवहार की भाषा में नहीं, परन्तु ज्ञान-विज्ञान के विविध क्षेत्रों में विषय और संदर्भ के अनुसार विशिष्ट, किन्तु निश्चित अर्थ में प्रयुक्त होते हैं, वे ही पारिभाषिक शब्द हैं । यहाँ व्यक्त है कि पारिभाषिक शब्द दैनिक व्यवहार के शब्द नहीं होते, वह जन साधारण की भाषा से अलग होनी चाहिए ।

Chambers Technical Dictionary (चैम्बर्स टेक्निकल डिक्शनरी) में जो परिभाषा दी है, इसमें ग्रहण, अनुकूलन और निर्माण के बारे में चर्चा की है । यहाँ पारिभषिक शब्दावली की संभावना व्यक्त है ।

डॉ. रघुवीर, डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. माईदयाल जैन और डॉ. विनोद गोदरे आदि कई विद्धानों की परिभाषा में पारिभाषिक शब्दों की सीमा और निर्धारण कार्य के बारे में चर्चा की है । विद्धानों ने अपने-अपने ढंग से शब्दावली को परिभाषित करने की कोशिश किये गये हैं । फलतः हिन्दी में प्रशासन, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी से संबन्धित पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण एवं प्रचलन हुआ । इस प्रकार वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के निर्माण के कारण जनसंचार माध्यम और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी अनुप्रयोग को अत्यधिक महत्वपूर्ण विकास मिल गया है ।

विद्धानों की परिभाषा से व्यक्त है कि पारिभाषिक शब्दावली कैसा होना चाहिए ? कैसे निर्माण कार्य चलेगा, किन-किन क्षेत्रों में उपयोग होगा ? आदि । विद्धानों ने अपने-अपने तरीके से परिभाषा को व्यक्त किये है, कुछ लोग निर्माण कार्य पर बल दिये हैं, तो कुछ लोग सीमा पर, और कुछ लोग उपयोग के क्षेत्र पर ।

३.३ हिन्दी पारिभाषिक शब्द : अर्थ, रचनापरक दृष्टिकोण

अंतर्राष्ट्रीय राजभाषा है अंग्रेज़ी, भारत की राष्ट्रभाषा और राजभाषा है हिन्दी । भारत में भारतीय भाषाओं के ऊपर का वर्चस्व अब भी बरकरार है । अब सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिकतर अंग्रेज़ी शब्दों का प्रभाव है । प्रस्तुत शब्दों का समतुल्ल हिन्दी पारिभाषिक शब्द हिन्दी में अब सुलभ है । हिन्दी आज विशाल भौगोलिक क्षेत्र की भाषा है । संविधान ने इसे और अधिक विस्तृत क्षेत्र की भाषा होने का गौरव प्रदान किया है । अंग्रेज़ी के सभी कामकाजी शब्द के रूपान्तरण हिन्दी में मिलता है । एक प्रकार से हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली की संरचना का आधार प्रधानतया अंग्रेज़ी ही है । भारतीय संविधान के प्रावधानों के

अनुसार अंग्रेज़ी ने सह-राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर, हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों की अर्थ-व्यंजनागत संरचना में गणनीय योगदान दिया । अंग्रेज़ी के अर्थ में जो विविधता है वह हिन्दी में भी दिखाई देती है । उदाः-

Gazette - राजपत्र

Gazetted Post - राजपत्रित पद

Gazette Notification - राजपत्र-अधिसूचना

Gazetted Officer - राजपत्रित अधिकारी

यहाँ अंग्रेज़ी शब्द Gazette से अनेक शब्द बनाये गये हैं, उसी प्रकार हिन्दी पारिभाषिक शब्द राजपत्र से भी अनेक शब्द बनाये गये हैं । ऐसे सन्दर्भ में हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली की सुलभता दिखाई है ।

सभी पारिभाषिक शब्दावली ऐसे नहीं है । उसमें वैविध्यता भी है । उदाः-

High Court - उच्च न्यायालय

High way - राजपथ

Highest bid - सबसे ऊँची बोली

High authority - उच्चतर प्राधिकारी

हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली में High के लिए उच्च, सबसे, उच्चतर आदि भिन्न-भिन्न शब्दों के रूप में आते हैं ।

कुछ विभिन्न शब्दावली उसी प्रकार है – उदाः-

Examination - परीक्षा, परीक्षण

Example - उदाहरण

Exercise - प्रयोग करना

Expansion - विस्तार, प्रसार

Expedition - अभियान

Expert - विशेषज्ञ

Explanation - व्याख्या

Exchange - विनिमय, केन्द्र

Exise - उत्पादक शुक्ल

Expiry - समाप्ति

पारिभाषिक हिन्दी शब्दों का अपना अपना स्वतंत्र रूप है । क्योंकि हिन्दी भाषा का मूल केन्द्र संस्कृत है । इसके कारण, संस्कृत पारिभाषिक शब्दों का बाहुल्य हिंदी पारिभाषिक शब्दों में होना स्वाभाविक है । फलतः हिन्दी के कुछ मूल शब्द उपसर्ग, प्रत्यय अथवा अन्य अर्थ बदल देनेवाले शब्दों से एक ही शब्द के विविध शब्द भी बन गए हैं । उदा :-

हिन्दी -अंग्रेज़ी क्रम से —

तुलना – Comparison

तुलन - पत्र – Balance Sheet

संतुलन – Balancing

तुलनात्मक – Comparative

अतुलनीय – Non-comparisonable

वाद – Suit/plaint

प्रतिवाद – Respondent

विवाद – Controversy

संवाद – Dialogue

अनुवाद – Translation

वाद-विवाद – Debating

अंग्रेज़ी - हिन्दी क्रम से —

Port – बन्दरगाह

Import – आयात

Export – नियति

Transport – परिवहन

Passport – पारपत्र आदि ।

उपर्युक्त शब्दों के अलावा एक ही अंग्रेज़ी शब्द के विविध संदर्भों में उसके अर्थ विविधता के कारण विविध अर्थों में हिन्दी पर्यायों की संरचना की गई है । पूर्णतः पारिभाषिक शब्दावली का महत्व बढ़ा रहा है । उदा :-

नियम – Rule

नियमन – To regulate

नियमानुसार – According to rule

नियमावली – Rules and Regulations

नियम-बाह्य – Against Rule

विविध कार्यालयों के नाम एवं पदनाम :

Accountant General	–	महालेखाकार
Post and Telegraphs	–	डाक-तार
Administration Section	–	प्रशासन अनुभाग
Administrative Reforms Department	–	प्रशासनिक सुधार विभाग
Agricultural Aviation	–	कृषि विमानन
Directorate	–	निदेशालय
Airport	–	हवाई पतन
Health Organisation	–	स्वास्थ्य संगठन
All India Radio	–	आकाशवाणी
Armed Force Films and Photo Division	–	सशस्त्र सेना फिल्म व फोटो प्रभाग
Atomic Energy Department	–	परमाणु ऊर्जा विभाग
Central Bureauof Investigation	–	केन्द्रीय जाँच ब्यूरो
Central Hindi Directorate	–	केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय
Council of Scientific and Industrial Research	–	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्

पदनाम :

Administrator General	–	महाप्रशासक
Agent	–	अभिकर्ता

Accountant	–	लेखाकार
Field Officer	–	क्षेत्राधिकारी
Editor	–	संपादक
Director	–	निदेशक
Welfare Officer	–	कल्याण अधिकारी
Receptionist	–	स्वागती
Superintendent of Police	–	पुलिस अधिकारी

३.४ पारिभाषिक शब्दावली की अभिव्यक्तियाँ

हिन्दी राजभाषा है और राष्ट्रभाषा भी । प्रशासन के कामकाज में हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग किया जाता है । वह शब्द एक ही क्षेत्र में सीमित नहीं है । ज्ञान-विज्ञान के सभी क्षेत्रों में व्यापित है । ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापित कुछ शब्दावलियाँ नीचे दिये हैं।

३.४.१ कामकाजी हिन्दी शब्दावली

हिन्दी में कामकाजी शब्दावली के निर्माण में कई साहित्यकारों, भाषाविदों और विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । इसी तरह सरकारी विभागों और शैक्षिक, प्रचार-प्रसार तथा स्वयं सेवी संस्थाओं ने भी हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली की संरचना में अपना-अपना योगदान दिया । हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता के अनुसार निर्माण कार्य में भी वृद्धि हुई । नये-नये शब्दों के निर्माण से भाषा का विकास होता है । हिन्दी कामकाजी शब्दावली नहीं होती तो दूसरी भाषाओं की शब्दावली पर आधारित होना पड़ेगा । हिन्दी में

पारिभाषिक शब्दों का आधार अंग्रेज़ी पारिभाषिक शब्दावली ही रही है । लेकिन पारिभाषिक शब्दावली की चर्चा केवल अंग्रेज़ी पारिभाषिक शब्दावली से जुड़ी नहीं है । विभिन्न कार्य क्षेत्रों से अनुभवी विद्वानों की सेवाएँ पारिभाषिक शब्दावली के लिए उपलब्ध है । कामकाजी हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली की कुछ उदाहरण देखिए –

Eligibility	–	अर्हता/पात्रता
Emergency	–	आपातकाल
Immediately	–	शीघ्र/तत्काल
Class	–	श्रेणी
Category	–	वर्ण
Supervision	–	पर्यवेक्षण
Inspection	–	निरीक्षण
Suspension	–	निलंबन
Retirement	–	सेवा-निवृत्ति
Insurance	–	बीमा
Index	–	सूची
Increment	–	वेतन वृद्धि
Identity Card	–	पहचान पत्र
Capacity	–	क्षमता
Appointment	–	नियुक्ति
Gross	–	सकल
Total	–	योग

३.४.२ बैकिंग क्षेत्र में हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली

बैकिंग आज के युग में निरंतर परिवर्तित हो रही है । नये-नये शब्दों का प्रयोग बैकिंग जगत् के प्रबुद्ध एवं निष्ठावन हिन्दी अधिकारी इन शब्दों का तत्काल अर्थ प्रचलित कर लेते हैं अथवा लिप्यंतरण द्वारा शब्दों को अपने प्रचार माध्यमों द्वारा परिचित करवा देते हैं । इसके परिणामस्वरूप बैकिंग जगत् में शब्दावली रुकना नहीं पड़ता है ।

कुछ शब्द देखिए :–

रजिस्टर पन्ना	–	Register Folio
पोस्ट बॉक्स न.	–	Post Box No.
बुक पोस्ट	–	Book Post
नकद प्रदत्त	–	Cash paid
नकद प्राप्त	–	Cash received

हिन्दी में पासबुक संबन्धी कुछ शब्दावली :–

Deposits	–	जमा
By cheque	–	नकदी जमा / से
By salary	–	वेतन जमा / से
By interest	–	ब्याज जमा / से
Withdraws	–	आहरण
To cash	–	नकदी भुगतान / को
To Demand Draft	–	ड्राफ्ट हेतु / को
To mail transfer	--	डाक अंतरण हेतु / को

आजकल अंग्रेज़ी संक्षिप्तियों के स्थान पर हिन्दी संक्षिप्तियों का प्रचलन भी हो रहा है । उदा :-

Clearing cheque (CLC)	–	समाशोधन चैंक (स. चेक)
Fixed Deposit Receipt (FDR)	–	मियादी जमा रसीद (मि.ज.र)
Returned Cheque (R/C)	–	लौटाया गया चैंक (लौ. चेक)
Transfer Cheuqe (T/C)	–	अंतरण चैंक (अ. चेक)
Demand Draft (D/D)	–	ड्राफ्ट (ड्रा.)

आज की वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ है बैंक । डॉ. विजयपाल सिंह के अनुसार, "भारत में बैंकिंग व्यवस्था पश्चिम की देन है ।"[1] देश के आर्थिक ढाँचे के निर्माण और उसके सुनियोजित विकास में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है । आर्थिक विकास के नियमन में बैंकों की भूमिका को पाश्चात्य देशों में बहुत पहले ही पहचाना गया । हालॉकि माना जाता है कि हमारे बैंकिंग का प्रयोग वैदिक युग से होता चला आ रहा है और धीरे-धीरे आधुनिक युग में इसका विकास हुआ है । बैंकों के प्रत्येक शाखा में हिन्दी प्रयोग संबन्धी बोर्ड दिखाई पड़े है, यहाँ पारिभाषिक शब्दावली महत्वपूर्ण है । हिन्दी में लिखे गये आवेदन पत्र और हिन्दी में भरे चैक आदि बैंक में है । अर्थ-व्यंजना की दृष्टि से यह शब्द पूर्णता प्राप्त करता है । शब्दों में स्पष्टता (clarity), यथार्थता (accuracy), सरलता (simplicity) और एकरूपता (uniformity) है । ऐसे कुछ शब्द नीचे दिये हैं –

आवेदन – Application

---

1. कार्यालयीन हिन्दी – डॉ. विजयपाल सिंह – पृ. ७५

आवेदक	–	Applicant
अनुदेश	–	Direction
जमाकर्ता	–	Depositor
जाँचकर्ता	–	Checked by
शेष धन	–	Balance
केन्द्रीय बैंक	–	Central Bank
सहकारी बैंक	–	Co-operative Bank
व्यापारिक बैंक	–	Commercial Bank
धनादेश	–	Cheque
चालू खाता	–	Current Account
धनाराशि	–	Amount
रोकड बही	–	Cash Book
रोकड	–	Cash

३.४.३ विज्ञापन संबन्धी शब्दावली

प्रत्येक क्षेत्र के लिए विशिष्ट शब्दावली का प्रयोग होता है । विज्ञापन संबन्धी पारिभाषिक शब्दावली सामान्य साहित्य भाषासे थोड़ी अलग है । उदा :-

शास्त्रीय अध्ययन	–	Academic studies
विज्ञापनदाता कम्पनी	–	Advertising company
विज्ञाप्ति	–	Bulletin

नौकरशाही	–	Bureaucracy
व्यावसायिक कला	–	Commercial art
बाज़ार की गतिविधि	–	Market report
निजी क्षेत्र	–	Private sector
मुद्रण कला	–	Typography
परिवहन सेवा	–	Transport service
पराध्वनि	–	Supersonic
उप संपादक	–	Sub-Editor

३.४.४ आकाशवाणी (रेडियो) संबन्धी शब्दावली

हिन्दी में संचार माध्यम की शब्दावली में आकाशवाणी संबन्धी शब्दावली में स्पष्टता सरलता होती है । आकाशवाणी संबन्धी हिन्दी शब्दावली का प्रयोग भी आज चलते है । हिन्दी शब्दों का प्रचार-प्रसार तथा प्रयोग आगे बढ़ रहा है । शब्दों के अर्थ स्पष्टीकरण में सरलता आती है । उदा :-

आकाशवाणी	–	All India Radio
ध्वनि रक्षित	–	Sound proof
प्रसारण	–	Broadcast
प्रक्षेपण	–	Transmission
प्रसारण-कक्ष	–	Studio
महानिदेशक	–	Director General

आलेख्र	–	Script
कार्यक्रम	–	Programme
ध्वनि	–	Sound
प्रसारण केन्द्र	–	Radio Station

३.४.५ वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली

आज इन क्षेत्रों में शब्दावली का उपयोग अंग्रेज़ी के बराबर होता है । अधिकतर शब्द के लिए उचित हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली मिलता है –

अनुप्रयुक्त विज्ञान	–	Applied Science
अनूकूलन	–	Adaptation
अंतरिक्षयानिकी	–	Astronauties
अभिरुचि	–	Aptitude
आरोग्य प्रमाणपत्र	–	Certificate of Medical Fitness
अभियन्ता	–	Engineer
आकलन	–	Estimate
उदर	–	Abdomen
उपचय	–	Anabolism
उत्प्रेरक	–	Catalyst
कार्यपालक	–	Executive
कोशिका	–	Cell

कक्ष	–	Orbit
खडी भवन	–	Segmentation
चुम्बक मंडल	–	Magnet Sphere
जनित्र	–	Generator
जीवाश्म	–	Fossil
जड़त्व	–	Inertia
तंत्रिका	–	Nerve
संकल्पना	–	Concept
प्रतिमान	–	Criterion
परिस्थितिकी	–	Ecology
तत्व	–	Element
पर्यावरण	–	Environment
लक्षण	–	Symptom
संश्लेषण	–	Synthesis
प्रतिचयन	–	Sampling

३.४.६ हिन्दी में परिवहन शब्दावली

जहाज़ पर	–	Abroad
विदेशी व्यापार	–	Cross trade
निर्यात	–	Export
आयात	–	Import
अधिनियम	–	Act

अनुमानित लागत	–	Cost estimated
इकतरफा यातायात	–	Oneway traffic
कार्यशाला	–	Workshop
विधेयक	–	Bill
बन्दरगाह	–	Harbour
व्यापारी बेडा	–	Merchant Navy
यात्री सेवा	–	Passenger service

३.४.७ हिन्दी में उपग्रह शब्दावली

अभिग्राहक	–	Receive
अधि परिभाषित	–	High Definition
निवेश	–	Input
अन्तर्वाहक	–	Sub carrier
प्रवरण	–	Selection
विस्तार	–	Band
तंत्र	–	System
सारणी	–	Channel
संकेतावली	–	Coding
संपीडित	–	Compressed
प्रबर्धन	–	Amplification
संचरण	–	Transmission

दर्शन क्षेत्र	–	Field of view

३.४.८ हिन्दी में विधि शब्दावली

अधिवक्ता	–	Advocate
अपील	–	Appeal
आरोप	–	Charge
न्याय	–	Justice
वकील	–	Lawyer
विधि	–	Law
न्यायाधीश	–	Judge

३.४.९ कंप्यूटर संबन्धी शब्दावली

आँकड़ा	–	Data
ऑकडा संसाधन	–	Data processing
दृश्य प्रस्तुति	–	Visual display
संचार प्रेषक	–	Transputer
निर्गम	–	Output
स्मृति इकाई	–	Memory Unit
यंत्र भाषा	–	Machine language
भण्डारण	–	Storage
मध्यसीमा	–	Interface
संकेत	–	Code

३.४.१० नियुक्ति एवं स्थापना शब्दावली

Appointment	–	रोज़गार
Election	–	चुनाव
Promotion	–	पदोन्नति
Upgradation	–	पदोन्नयन
Removal	–	निष्कासन
Conversion	–	परिवर्तन / रूपान्तरण
Resignation	–	पद त्याग
Retirement	–	सेवा-निवृत्ता

३.४.११ शासकीय प्रक्रियाओं की शब्दावली

Nationalisation	–	राष्ट्रीकरण
Liberalization	–	उदारीकरण
Globalisation	–	वंशीकरण
Orientation	–	अभिमुखीकरण
Standardisation	–	मानकीकरण
Renewal	–	नवीकरण
Presentation	–	प्रस्तुतीकरण

३.४.१२ हिन्दी में वाणिज्य शब्दावली

अंचल प्रमुख	–	Zonal Head

अंचल कार्यकाल	–	Zonal Office
कार्यशाला	–	Workshop
कार्यदिवस	–	Working day
वाउचर	–	Voucher
मूल्य	–	Value
निविदा	–	Tender
परिवहन	–	Transport
किराया	–	Rent
गुणवत्ता प्रमाणपत्र	–	Quality Certificate
प्रचार	–	Publicity
प्रकाशित	–	Published
अवधि	–	Period
मालिक	–	Owner
अनुपलब्ध	–	Out of stock
मूल	–	Original

३.४.१३ हिन्दी में भौतिकी शब्दावली

अणु जालक	–	:Lattic
प्रत्यानयन	–	Restoring
उष्मचालन	–	Thermal conduction
प्रगामी तरंगे	–	Progressive waves

अन्तराणविक – Intermolecular

परिशुद्धता – Precision

३.४.१४ प्रशासनिक हिन्दी में प्रयुक्त तत्सम शब्दावली

आजकल लोकप्रिय देशी अथवा विदेशी शब्दों का प्रयोग व प्रभाव अधिकाधिक देखा जा सकता है । पूर्णतः संस्कृत निष्ठ शब्दावली को कहीं कहीं सुधारना और उसके स्थान पर लोकप्रिय देशी अथवा विदेशी शब्दों का प्रयोग समीचीन लगता है । फिर भी अंतर्राष्ट्रीय शब्दों के स्थान पर उचित संस्कृत निष्ठ शब्द है तो उनका प्रयोग भी उचित मालूम होता है । ऐसे प्रशासनिक हिन्दी में प्रयुक्त कुछ शब्दावलियाँ देखिए –

अनुबंध – :Appendix

अन्वेषण – Investigation

औचित्य – Justification

आशोधन – Modification

उद्धरण – :Extract

साक्ष्यांकन – Attestation

वर्गीकरण – Classification

परामर्श – Consultation

स्थिति – Condition

स्पष्टीकरण – Clarification

संग्रहण – Collection

निर्णय – Decision

पदनाम	–	Designation
विचार विमर्श	–	Discussion
पदच्युति	–	Dismissal
दक्षता	–	Efficiency
पृष्ठांकन	–	Endorsement
स्थापना	–	Establishment
पाद टिप्पणी	–	Foot note
प्रवेश पत्र	–	Admission Form
राजभाषा	–	Official Language
नामांकन	–	Nomination

हिन्दी पारिभाषिक शब्द दिन-ब-दिन अंग्रेज़ी के समानान्तर अपना रूपान्तरण करते जा रहे हैं । अर्थात् जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयोग में लाए जाने वाले शब्दों के रूप में प्रस्तुत शब्दों का प्रयोग हो रहा है ।

३.५ पारिभाषिक शब्दों में उपयोग की अनिवार्यता

पारिभाषिक शब्द, जनता की ज्ञानकारी के अभाव से सूख जाते हैं । ऐसे अनेक शब्द है, जिनके अंग्रेज़ी मूल रूप से ही आम जनता परिचित है और इसी कारण से हिन्दी शब्दों के प्रयोग में अज्ञानी की संभावना होगा । उदा :-

Memory	–	मेमोरी
Keyboard	–	की-बोर्ड
Software	–	सोफ्टवेयर

Programme	–	प्रोग्राम
Upload	–	अपलॉड
Click	–	क्लिक
Layout	–	ले आउट
Mail merge	–	मेल मर्ज
Board	–	बोर्ड
Scanner	–	स्कैनर
Printer	–	प्रिन्टर
Plotter	–	प्लॉटर
Fax	–	फैक्स
Icon	–	आइकॉन

अधिकतर शब्द के लिए पारिभाषिक शब्द बनाया गया है । लेकिन यह शब्द व्यावहारिक प्रयोग में अधिक नहीं रहा है । आम जनता के बीच इन शब्द का जितना स्वीकृति मिलती है, उतना ही अस्वीकृति पारिभाषिक शब्दावली में होगा । ऐसे अनेक शब्द है । उदा :-

Report	–	रिपोर्ट	–	प्रतिवेदन
Manager	–	मैनेजर	–	प्रबन्धक
Record	–	रकार्ड	–	अभिलेख
Workshop	–	वर्कशॉप	–	कर्मशाला
Install	–	इंस्टॉल	–	संस्थापित करना
Copy	–	कॉपी	–	नकल

आम जनता की स्वीकृति और अस्वीकृति के कारण विविध सरकारी विभागों में बैंकों में कई शब्द मूल रूप में स्वीकृत है । उदा :-

Post Card	–	पोस्ट कार्ड
Cover	–	कवर
Bank	–	बैंक
Cheque	–	चेक
Counter	–	काउण्टर
Draft	–	ड्रफ्ट
Money Order	–	मनी आर्डर
Postal Order	–	पोस्टल आर्डर

आज हमारे समाज औद्योगिक सूचना प्राप्त करने के लिए प्राप्त ढंग का इस्तेमाल कर रहा है । सूचना प्रौद्योगिकी अब विस्तार हुआ है । उससे सूचना के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है । सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के जिाए मुद्रण का आविष्कार हुआ, जिससे समाचार पत्र-पत्रिकाएँ सूचना का आधार बनीं । विद्युतकीय आविष्कारों ने सूचना माध्यम को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक स्वरूप दिया । टेलीफोन, फैक्स, ई-मेल, इंटरनेट, सैटेलाइट, कंप्यूटर, वेबसाइट, लैपटाप आदि के आविष्कार ने तो सूचना की पूरी प्रक्रिया की ही तीव्रतर बना दिया है । इन सभी क्षेत्रों में अंग्रेज़ी शब्दों का प्रभाव है । यहाँ बराबर हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली होगा, या निर्माण भी होगा, लेकिन इनका उपयोग कहाँ तक सफल होगा, यह ध्यान देने की बात है । सूचना प्रौद्योगिकी में कंप्यूटर सबसे महत्वपूर्ण है । आधुनिक युग कंप्यूटर युग के नाम से जाना जाता है । कंप्यूटर अंग्रेज़ी के सात अक्षरों का संयोग

है । इन सात अक्षरों का विस्तार इस प्रकार है, विशेषता यह है कि इन्हें हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली की सुलभता है ।

C	–	Commonly	–	साधारण रूप से
O	–	Operator	–	संचालक
M	–	Machine	–	यंत्र
P	–	Particulars	–	विशेष रूप से
U	–	User	–	प्रोक्ता
T	–	Trade -	-	व्यवसाय
E	–	Education	–	शिक्षा
R	–	Research	–	अनुसंधान

कंप्यूटर संबन्धी अंग्रेज़ी शब्दावली में हिन्दी शब्दावली की भूमिका महत्वपूर्ण है । कुछ हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली देखे –

Word Processor	–	शब्द संसाधक
Visual display	–	दृश्य प्रस्तुति
Error	–	तृष्टि
Primary memory	–	प्राथमिक स्मृति
Output	–	निर्गम
Memory Unit	–	स्मृति इकाई

हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली में निर्माण आयोग का योगदान महत्वपूर्ण है । पारिभाषिक शब्द रचना में विज्ञान के लगभग सभी अंगों की वस्तुओं के नाम-बोधक पारिभाषिक

शब्दों की रचना करने का प्रशंसनीय प्रयास आयोग ने किया है । इसमें अधिकतर शब्द हमें सुपरिचित है । शिक्षा संबन्धित तथा अन्य कार्यों से संबन्धित क्षेत्रों में इन शब्दों का इस्तेमाल किए जाते हैं । ऐसे कुछ पारिभाषिक शब्दावली इस प्रकार है ।

Temperature	–	तापमान
Energy	–	ऊर्जा
Iron	–	लोहा
Zoology	–	प्राणि विज्ञान
Biology	–	जीव विज्ञान
Botany	–	वनस्पति विज्ञान

लोगों की आवश्यकता के अनुसार पारिभाषिक शब्दावलियों का निर्माण कार्य चल रहे है, फिर लोग सुविधा के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द के होते हुए भी अंग्रेज़ी शब्दों का ही उपयोग करते है । उसी प्रकार हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का अभाव न होना चाहिए । भाषा के अस्तित्व को संभालना भाषाविदों का कर्तव्य है । इसलिए अंग्रेज़ी शब्दावली के समान हिन्दी शब्दावली का निर्माण भी हुआ है, फिर भी लोग अधिकतर हिन्दी शब्दों का प्रयोग नहीं करते है ऐसे कुछ शब्द है –

Cancel	–	कॉनसल
Disc	–	डिस्क
Delete	–	डिलीट
Refresh	–	री-फ्रेष
Save	–	सेव

Monitor – मोनीटर

On – ऑन

Off – ऑफ

Mouse – मौस

Button – बट्टन

हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली में cancel के लिए 'निरसन' शब्द है, यहाँ हिन्दी शब्दावली का अभाव नहीं होता है, उपयोगिता का अभाव है । अधिकतर शब्दों का इस्तेमाल ऐसा है, एक एक केलिए उचित हिन्दी शब्द है । Disc के लिए वृत्त अथवा आधार फलक, delete के लिए निरसन, refresh के लिए पुनःदर्शाओं, save के लिए संचित रखे, Monitor के लिए प्रपट्ट इत्यादी ।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में कार्य संचालन बहुत तेज़ी से है, भाषाई कार्य के लिए पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता बहुत बड़ा है । एक-एक शब्द के लिए सरल, सुदृढ़, अर्थ युक्त शब्दावली हिन्दी में सुलभ है । कुछ शब्द देखिए –

File (फयल) – पंजिका

Input (इनपुट) – निवेश

Output (औटपुट) – निर्गम

कहने का अर्थ यह है कि हिन्दी शब्दावली का विकास कार्य आवश्यकता के अनुसार बढ़ रहा है । पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी में निर्माण करने के लिए जो पथ-प्रदर्शन डॉ. रघुवीर ने किया, उसके लिए सारा राष्ट्र उनका सदा स्मरण रहेगा । ज्ञान-विज्ञान के शब्दों

का हिन्दी शब्द निर्माण कार्य या सूत्र उन्होंने ही सर्वप्रथम हमें दिया और भावी पीढ़ियों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया । उन्होंने प्रत्येक अंग्रेज़ी शब्द के लिए हिन्दी का एक अपना शब्द देकर राष्ट्रभाषा का गौरव बढ़ाया एवं उसकी क्षमता सिद्ध की ।

पारिभाषिक शब्दावली का विकास बड़ी रोचक बात है । वास्तव में उसका मानव भाषा और जन समूह के सभी पक्षों से सीधा संबन्ध है । पारिभाषिक शब्दों का इस्तेमाल करना आवश्यक है, जो निजी भाषा की अभिव्यक्ति की क्षमता बढाएगी ।

देश स्वतंत्र हुआ, अब हम सूचना प्रौद्योगिकी के बहाव में है । स्वतंत्र देश की राजभाषा या राष्ट्रभाषा के लिए सर्वमान्य पारिभाषिक शब्दावली होना चाहिए । ज्ञान-विज्ञान विभिन्न बातें की हिन्दी में सार्थक अभिव्यक्ति करने के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का विकास होना ज़रूरी है । विभिन्न आयोग द्वारा नये नये शब्द बनाये जाते हैं । आज प्रौद्योगिकी के युग में हमको प्रतिदिन नए-नए शब्द बनाना है । हिन्दी जन समूह को इसका इस्तेमाल करना चाहिए । प्रौद्योगिकी के आधुनिक युग में देश की प्रगति और समृद्धि टेक्नालोजी के व्यावहारिक उपयोग पर निर्भर करती है । विज्ञान मानव के सभी क्रियाकलापों को प्रभावित करने लगा है और इसके कारण सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक पहलुओं में बहुत से परिवर्तन होते रहते हैं । विज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए ऐसी शब्दावली की ज़रूरत होती है जिसमें भावों को उजागर करने की पूर्ण क्षमता और हर प्रकार की अभिव्यक्ति की क्षमता हो । तभी विज्ञान की जानकारी को शब्दावली के माध्यम से अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया जा सकता है । समय-समय पर वैज्ञानिकों को नये-नये शब्दों की आवश्यकता पड़ती है जिनके द्वारा वे विभिन्न संकल्पनाओं, प्रक्रियाओं, दशाओं, गुणों, यंत्रों, घटनाओं आदि को यथोचित रूप से अभिव्यक्त

कर सकें । शब्दावली की संपूर्णता के लिए भिन्न-भिन्न पदार्थों, प्रक्रियाओं को सही रूप में पारिभाषित करने के लिए उपयुक्त क्रियाएँ, विशेषण, उपसर्ग और प्रत्यय भी होने चाहिए । ऐसे करने से सुस्पष्ट रूप से नए-नए शब्दों का निर्माण हो सकता है । दिन ब दिन विकसित होते रहने वाले विज्ञान के साथ-साथ नई शब्दावली की अनिवार्य रूप से माँग बढ़ती जाती है । प्रत्यय और उपसर्ग वाली कुछ शब्द देखे –

क प्रत्यय से निदेशक

ई प्रत्यय से सहकारी

ईश प्रत्यय से अन्तर्राष्ट्रीय

आ उपसर्ग से आलोचक

अनु उपसर्ग से अनुदान

उप उपसर्ग से उपभोक्ता आदि ।

विज्ञान या प्रौद्योगिकी के साथ-साथ वैज्ञानिक शब्दावली का महत्व भी उत्तरोत्तर बढ़ रहा है । पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, सिनेमा, रेडियो, टेलिविज़न, इन्टरनेट आदि क्षेत्र तक आज पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग या प्रयोग हो रहा है, और आम जनता भी इसके संपर्क में आता है । इन क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दों का महत्व एवं आवश्यकता हर काल में रही होगी । पुराने ज़माने से ही वह संपन्न हो रहा है । अध्ययन और अध्यापन के क्षेत्र में इनका महत्व बढ़ रहा है । आज हमारे लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्दावलियों के भण्डार है, फिर भी जनता अंग्रेज़ी के पीछे चलने की मनोवृत्ति में है । हमें यह निष्कर्ष में पहुँचना पडेगा कि जब हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली उपयुक्त होगी, तब उसका उपयोग्यता बढ़ जाएगी । हिन्दी पारिभाषिक

शब्दावली के विकास की विशेषता यह है कि इसका निर्माण क्षेत्र दृढ़ है । इसलिए सुलभ रूप से शब्द मिलते है, लेकिन उपयोगिता की कमी के कारण हिन्दी शब्दों का प्रयोग नहीं चलता है । अन्य शब्दों का विशेषकर अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग बढ़ती जा रही है । हिन्दी शब्दों का विकास होना चाहिए, इसके लिए हिन्दी शब्दों का प्रयोग करना भी चाहिए । आजकल सूचना प्रौद्योगिकी और जन संचार माध्यम जैसे क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दों की उपयोगिता बढ़ रही है ।